Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding non-receipt of free ration by the poor.

श्री मनोज तिवारी (उत्तर पूर्व दिल्ली): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी पुकार दिल्ली के गरीब नागरिकों की भूख से जुड़ी है। क्योंकि, राशन वितरण की बदहाल व्यवस्था से दिल्ली में त्राहि-त्राहि मची हुई है। यों कहिए कि प्रधान मंत्री जी ने अपनी दरियादिली से दिल्ली या देश को अनाज की जो खुशहाली दी थी, उसको दिल्ली सरकार ने गरीबों की थाली दिल्ली में खाली कर दी है। जहां-जहां हम लोग सुनवाई में जा रहे हैं, वहां एक ही दर्द हम लोगों के पास आता है। आपको याद हो, जब कोरोना के कहर से लॉकडाउन में देश परेशान था और मजदूरों के सामने भूख का संकट खड़ा हो गया था, तब प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रधान मंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की शुरुआत की थी। उनके दर्द को बांटा, परन्तु दिल्ली सरकार ने ईमानदारी से जरूरतमंदों को राशन नहीं पहुंचाया, जिसके कारण मजदूरों का दर्दनाक पलायन इस देश ने देखा।

अध्यक्ष महोदय, आज भी दिल्ली में गरीबों को मुफ्त राशन नहीं मिल रहा है, क्योंकि दिल्ली सरकार ने न तो उनके राशन कार्ड बनवाए हैं और न ही ऐसे लोगों को पहचान कर सूचीबद्ध किया गया है, जिससे उनको मुफ्त राशन दिया जा सके। मेरी मांग है कि दिल्ली के लाखों गरीबों की समस्या के निदान के लिए हस्तक्षेप कर वितरण व्यवस्था में सुधार किया जाए। राशन कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए और वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना की दिल्ली में शुरुआत की जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री मनोज तिवारी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।